



REET 2025 LEVEL-1&2



वंदन बैच

संस्कृत

समास

Part -4



LIVE

17-01-2025 03:00 PM



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

समास ($\text{अम} + \text{अस्} + \text{अभ्}$)

समास का अर्थ है - संक्षिप्त। जब दो या दो से अधिक पद परस्पर मिलकर नया शब्द बनाते हैं, तो उनके बीच की विभक्तियाँ लुप्त हो जाती हैं और बना हुआ शब्द समास कहलाता है।

यथा रामस्य पुत्रः = रामपुत्रः

विशालः बाहुः यस्य सः = विशालबाहुः।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

विग्रह समास के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए जिन पदों को अलग किया जाता है, उन्हें विग्रह कहते हैं। यथा- रामस्य पुत्रः, विशालः बाहुः यस्य सः।

समस्त पद - सकमास होने पर जो शब्द बनता है, उसे समस्त पद या सामासिक पद कहते हैं।

यथा - रामपुत्रः, विशालबाहुः।



REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

समास के भेद

समास के प्रमुख रूप से छह भेद हैं-

(1) अव्ययीभाव समास ✓

(3) कर्मधारय समास ✓

(5) बहुव्रीहि समास ✓

(2) तत्पुरुष समास ✓

(4) द्विगु समास ✓

(6) द्वन्द्व समास ✓





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

द्वन्द्व समास

'चार्थे द्वन्द्वः' अर्थात् जिसमें प्रायः पूर्वपद तथा उत्तरपद प्रधान होते हैं, द्वन्द्व समास कहलाता है। यह समस्त पद प्रधान समास है। इसमें 'च' से दो या दो से अधिक संज्ञाओं को जोड़ा जाता है।





REET 2025 L-1&2



संस्कृत

वंदन बैच

हरिहरौ	हरिश्च हरश्चः	हरि और हर
ईशकृष्णौ	ईशश्च कृष्णश्च	ईश और कृष्ण
हस्तपादौ	हस्तश्च पादश्च	हाथ और पैर
सज्जनदुर्जनौ	सज्जनः च दुर्जनः च	सज्जन और दुर्जन
शिवकेशवौ	शिवश्च केशवश्च	शिव और केशव
रामलक्ष्मणौ	रामः च लक्ष्मणः च	राम और लक्ष्मण
पितरौ	माता च पिता च	माता और पिता
भीमार्जुनौ	भीमः च अर्जुनः च	भीम और अर्जुन

























